वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 212 | रविवार 27 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अल्बर्ट हॉल पर हुआ एबीवीपी का खुला अधिवेशन

राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार मीणा बोले-इतिहास में महापुरुषों को नहीं मिला उचित स्थान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 68वें राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन जयपुर में लघु भारत शोभायात्रा निकाली गई। शहर के अग्रवाल कॉलेज से शुरू होकर शोभा यात्रा चारदीवारी के प्रमुख बाजारों में होती हुई अल्बर्ट हॉल पहुंची। जहां देशभर से पहुंचे एबीवीपी कार्यकर्ताओं के लिए खुला अधिवेशन आयोजित किया गया। जिसमें एबीवीपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भाषण दिया। अल्बर्ट हॉल पर आयोजित अधिवेशन के दौरान एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार मीणा ने कहा कि आज तक सरकारों ने देश के वीर पुरुषों के साथ भेदभाव किया है। आज भी कई ऐसे महापुरुष और वीर योद्धा हैं जिन्हें देश के इतिहास में जगह नहीं मिल सकी है। देशभर के अनेक राज्यों में ऐसे महापुरुष हुए जिनके राष्ट्र के प्रति योगदान का उचित मूल्यांकन होना शेष है। भारत में जनजाति वर्ग ने प्रकृतिपूजक के रूप पूरे विश्व को सस्टेनेबिलिटी का संदेश दिया है। कई बार जनजाति वर्ग को उनकी मान्यताओं और परम्पराओं को लेकर टारगेट किया जाता है, जो पूरी तरह गलत है जबकि उन लोगों ने देश की आजादी और देश के गौरव के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इस दौरान एबीवीपी के प्रांत मंत्री शौर्य जैमन ने राजस्थान सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की वजह से प्रदेश की युवा हर दिन परेशान हो रहे हैं। राजस्थान में बेरोजगारी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भ्रष्टाचार और पेपर लीक की वजह से युवा आत्महत्या करने को मजबूर है। जबकि प्रदेश की गूंगी बहरी कांग्रेस सरकार सिर्फ अपना राज बचाने में जुटी हुई है। लेकिन कांग्रेस सरकार की यह तानाशाही ज्यादा लंबे वक्त तक नहीं चलेगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सड़क से लेकर सदन तक कांग्रेस का विरोध करेगी। जब तक सरकार युवाओं के हक में फैसला नहीं ले लेती हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान देंगे केलकर युवा पुरस्कार

27 नवंबर को प्रतिष्ठित प्राध्यापक यशवंत राव केलकर युवा पुरस्कार समारोह में सुबह 11.15 बजे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता- उद्योगपति और समाजसेवी रतन शर्मा करेंगे। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान महाराष्ट्र के बुलढ़ाणा के युवा समाज सेवी नंदकुमार पालवे को पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे। वहीं इससे पहले उद्घाटन सत्र में स्वामी रामदेव, विद्यार्थी परिषद के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत मौजूद रहे थे।

टीले से निकली भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक महोत्सव

भगवान महावीर का महामस्तकाभिषेक आज से -4 दिसंबर तक चलेगा महोत्सव -2650 कलशों से होगा महामस्तकाभिषेक

1998 सहस्त्राब्दी समारोह श्री महावीर जी में भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक करते हुएसमाजश्रेष्ठी सुनील बख्शी जयपुर निवासी

जयपुर/ श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया। चांदनपुर वाले बाबा के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध भूगर्भ से प्रकटित भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक महोत्सव रविवार,27 नवम्बर से शुरू होगा। महोत्सव 4 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान पुण्यार्जक श्रद्धालुओं एवं इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा 2650 कलशों से भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि रविवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दोपहर 12.15 बजे से होने वाले महामस्तकाभिषेक में प्रथम कलश का सौभाग्य आर के परिवार किशनगढ के कंवरी लाल,अशोक, सुरेश,विमल पाटनी एवं परिवारजन को प्राप्त हुआ है। दिव्तीय कलश करने का सौभाग्य प्रदीप, योगेश, नवीन, लोकेश पीएनसी परिवार आगरा को मिला है। तृतीय कलश का पुण्यार्जन जयपुर के अक्षत ग्रुप के नन्द किशोर, प्रमोद, सुनील पहाड़ियां परिवार को प्राप्त हुआ है। तत्पश्चात ललित जैन डायमंड कारपेट आगरा,हीरा लाल बैनाडा परिवार आगरा, हुलास चन्द ,महावीर, धर्मेंद्र सेठी नई दिल्ली, निर्मल जैन सहित सौधर्म इन्द्र रोहन-अमिता कटारिया, यज्ञनायक श्रीपाल-कुसुम चूड़ीवाल एवं मण्डप उदघाटन कर्ता कमल, महावीर, सुशील गंगवाल आदि पुण्यार्जक परिवारों सहित लगभग 300कलश प्रथम दिन होंगे। महोत्सव समिति के कार्याध्यक्ष विवेक काला एवं संयोजक सुरेश सबलावत के मुताबिक शांतिधारा का पुण्यार्जन महेश काला परिवार इम्फाल को प्राप्त हुआ है। महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि रविवार,27 नवम्बर को दोपहर 12.15 बजे से सायं 5.15 बजे तक भगवान का महामस्तकाभिषेक होगा। सोमवार 28 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 8.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक महामस्तकाभिषेक होगा। मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन एवं संयोजक राकेश सेठी कोलकाता के मुताबिक रविवार से दर्शनार्थियों के लिए मंदिर दर्शन सायंकाल 6.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक हो सकेंगे। महोत्सव के दौरान जयपुर, राजस्थान सहित पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालुओं की सहभागिता की ।

'आ रही रवि कि सवारी' का आयोजन 27 नवम्बर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। पद्मभूषण कवि व हरिवंश राय बच्चन के जन्म दिवस (27 नवंबर) के अवसर पर उनके उत्कृष्ट गीतों की भावपूर्ण संगीतमय प्रस्तुतियों का आनंद लेने के लिये तथा मौलिक संगीत रचनाओं के सृजन को प्रेरित करने हेतु कायस्थ समाज सेवा संस्था एवं आर्ट्स बिट्स द्वारा आयोजित ''आ रही रवि की सवारी'' गीत संध्या मे अवश्य पधारें ।कार्यक्रम के संगीत निर्देशक - दीपक माथुर , गायन - सीमा मिश्रा, संजय रायजादा,चेतना टंडन,अंबिका मिश्रा, डा .उमा विजय, संगतकार -शेर खां ,सावन डांगी, पवन बलोदिया, विमल सन आयोजन।

स्थान - इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग सभागार, गांधी नगर, टोंक रोड, जयपुर

सन्त शिरोमणि आचार्य भगवन श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के आचार्य पदारोहण दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता "विद्या नृत्यांजली का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सन्त शिरोमणि आचार्य भगवन श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के आचार्य पदारोहण दिवस 22 नवम्बर2022 के पावन उपलक्ष्य में गुरुदेव निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज,मुनि श्री 108 पूज्य सागर जी महाराज,ऐलक श्री 105 धैर्य सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री 105 गम्भीर सागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद से " श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल समाज,सूरत" द्वारा आचार्य भगवन के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस को सम्पूर्ण विश्व मे हर्षोल्लास के साथ मनाने व समाज की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता "विद्या नृत्यांजली का आयोजन किया जा रहा है,जिसमें सम्पूर्ण देश के अनेकों युवा कलाकारों ने अपनी सुन्दर सुन्दर प्रस्तुतियों से गुरुदेव को विनयांजलि दी। इस लिंक के माध्यम से आप उन सभी युवा कलाकारों की प्रस्तुति देख सकते है।https://youtube.com/c/ArihantNatyaSanstha प्रस्तुति देखने के पश्चात आप हमारे युवा कलाकारों की प्रस्तुति पर कमेंट,लाइक अवश्य करें तथा हमारे चैनल को सब्सक्राइब करें ताकि अगले सेमी फाइनल राउण्ड व फ़िनाले राउण्ड की प्रस्तुतियां भी आपको देखने को मिल सके साथ ही आप हमारे प्रतिभागियों की प्रस्तुति अन्य लोगो तक भी पहुँचाये, ताकि स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में की गई विद्या नृत्यांजली प्रतियोगिता को सभी जन देख सकें व आचार्य भगवन के सार्वभौमिक सिद्धान्त भी जनता तक पहुँच सके। **आयोजक:** दिगंबर जैन खंडेलवाल समाज सूरत, राजीव भूच (अध्यक्ष), संजय गदिया (महामंत्री), पवन गोधा (कोषाध्यक्ष) **समन्वयक:** श्रीमति शीला डोडिया,जयपुर। **कार्यक्रम निर्देशक:** अजय जैन मोहनबाड़ी, जयपुर। **गीत संगीत निर्देशक:** अवशेष जैन, जबलपुर। **संयोजक:** श्रीमति शालिनी बाकलीवाल। चारु सत भैया, ललितपुर

पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मे संयम जीवन का आधार हुई तप कल्याणक क्रियाएं

आज मनाएंगे केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव, भगवान की खिरेगी दिव्य ध्वनि

जयपुर/श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

21 वीं सदी के भगवान महावीर के प्रथम महामस्तकाभिषेक महोत्सव के अन्तर्गत गुरुवार से शुरू हुए पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में शनिवार को तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर जहां राजकुमार वर्धमान के राज्याभिषेक के दृश्यों पर श्रद्धालु खुशियों से झूम उठे वहीं दूसरी ओर तीर्थंकर महाराज को वैराग्य दर्शन होने, गृह त्याग एवं दीक्षा विधि तथा तप कल्याणक के दृश्यों को देखकर भाव विभोर हो उठे तथा सजल नैत्रो से अश्रु बह उठें। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि तप कल्याणक महोत्सव के अन्तर्गत शनिवार को प्रातः 6.30 बजे से ध्यान एवं आशीर्वाद सभा के बाद श्री जिनाभिषेक एवं नित्यार्चना हुई। तीर्थंकर बालक की बाल क्रीड़ा के दृश्यों ने सभी का मन मोह लिया। प्रातः 9.00 बजे धर्म सभा में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने मंगल आशीर्वचन में तप कीमहिमा बताते हुए संयम का महत्व बताया। प्रातः 10.00 बजे चक्रवर्ती की षटखण्ड दिग्विजय यात्रा निकाली गई जिसमें जैन धर्म के वैभव को उजागर किया गया। दोपहर 1.00 बजे तीर्थंकर राजकुमार का राज्याभिषेक हुआ। इस मौके पर बड़े बड़े देशों के राजा,महामण्डलेश्वर, गणमान्य श्रेष्ठी भेट लेकर शामिल हुए। चारों तरफ खुशियों का माहौल था। तीर्थंकर महाराज को जाति स्मरण एवं पूर्व भवों का स्मरण जिसमें सिंह द्वारा हिरण का शिकार सहित कई स्मरण हुए , संसार शरीर भोगों से विरक्त होकर निज आत्म कल्याण एवं पर उपकार की भावना से वैराग्य दर्शन के बाद तीर्थंकर राजकुमार ने गृह त्याग दिया। इन दृश्यों पर उपस्थित जन समुदाय की आंखें नम हो गई। स्वयं के पंचमुष्ठी केशलोच कर दीक्षा धारण कर दीक्षा विधि के साथ संयम पथ पर बढ चले। संस्कार तप कल्याणक के बाद पूजा एवं हवन हुआ। सायंकाल आरती महोत्सव के बाद शास्त्र सभा हुई। रात्रि 8.00 बजे से रुपेश जैन एण्ड पार्टी इन्दौर द्वारा भक्ति संध्या में भजनों की गंगा बहाई गई। तप कल्याणक के मौके पर दोपहर में आयोजित धर्म सभा में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने प्रवचन देते हुए शास्त्रों में उल्लेखित तीर्थंकर महाराज के वैराग्य दर्शन,तप कल्याणक क्रियाओं को विस्तार से बताया। धर्म सभा में अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्ष शांति कुमार जैन,सी पी जैन, महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कार्याध्यक्ष विवेक काला, कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी, मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन जौहरी, संयोजक सुरेश सबलावत, राकेश सेठी, देवेन्द्र अजमेरा, भारत भूषण जैन सहित बड़ी संख्या में कमेटी सदस्य एवं गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। प्रबंधकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अन्तर्गत गठित भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि 24 से 28 नवम्बर तक आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान महावीर की 24 फीट ऊंची खडगासन प्रतिमा सहित परिकरयुक्त चौबीसी एवं कमल मंदिर की नवग्रह अरिष्ट निवारक जिनालय प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा होगी। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन के मुताबिक रविवार,27 नवम्बर को केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। प्रातः तीर्थंकर महामुनि आहार चर्या,पंचाश्चर्य दृश्य, केवलज्ञान संस्कार सूरिमंत्र के बाद राजा श्रेणिक का जुलूस समवशरण में आगमन, समवशरण का उदघाटन, भगवान की दिव्य ध्वनि के बाद दोपहर 12.15 बजे से महामस्तकाभिषेक महोत्सव शुरू होगा। सायंकाल महाआरती एवं शास्त्र सभा के बाद रंगशाला नाट्य अकादमी इन्दौर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। जिसमें भगवान नेमिनाथ के जीवन पर आधारित वैभव और वैराग्य की गाथा 'विरह और वैराग्य ' नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। सोमवार,28 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। पूणार्हुति के बाद नवीन वेदी में भगवान को विराजमान करेंगे।

सायंकाल महाआरती एवं शास्त्र सभा के बाद रंगशाला नाट्य अकादमी इन्दौर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

वेद ज्ञान

सच अपार और अनंत

ऊंचाई विकास का प्रतीक है। ऊपर उठने का अर्थ है दृष्टि बदल जाना। नीचे रहने पर जो चीजें हमें लुभाती हैं और हमारे लिए बहुत बड़ी होती हैं, जैसे-जैसे ऊपर उठते जाएं, वे छोटी और अनाकर्षक होती जाती हैं। कभी वायुयान की खिड़की से नीचे देखें, तो बड़े-बड़े महल माचिस की डिब्बी जैसे लगते हैं, आलीशान कारें चीटियों-सी रेंगती नजर आती हैं। लोग बिंदु जैसे दिखते हैं। ऊंचे उठने पर हमें यह भी अहसास होता है कि हमारे पैरों तले कोई आधार नहीं है और जीवन का कोई भरोसा नहीं। अधिक ऊपर चले जाएं तो नीचे एक शून्य के दर्शन होते हैं और तीव्र विरक्ति पैदा होती है। यह शून्य ही वास्तविकता है, किंतु हम इसे मानने को तैयार नहीं हैं। ऊपर उठने के बाद हमें ऊपर की विशालता और सुंदरता का भी ज्ञान होता है। जिसे हमने अपनी दुनिया समझ रखा था, वह वास्तव में व्यापक रचना का बिंदु मात्र है। जिसे हम सुंदर मान कर मोहित हो रहे थे, वह सुंदरता का आभास है। व्यापक और वास्तविक सुंदरता तो तब नजर आती है, जब हम समदृष्टि से पूरे ब्रह्मांड को एकबारगी देख पाते हैं। नीचे रह के हमारी देखने की क्षमता संकुचित हो जाती है और जो कुछ हमें दिख रहा होता है, उसे ही सच और सुंदर मान लेने के अतिरिक्त हमारे पास और कोई विकल्प नहीं होता। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि जितना हम देख पा रहे हैं, दुनिया उसके आगे नहीं है। देखने, सुनने और समझने की हमारी सीमाएं हैं। यह भी तय है कि सच अपार और अनंत है। यदि ऐसा न होता, तो नित नई खोजें, नई जानकारियां हमें विस्मित न करती रहतीं। ऋषियों, मुनियों, धर्मात्माओं ने ऊंचे उठकर नए अनुभव हासिल किए, जिनमें से कुछ उन्होंने संसार के साथ बांटे भी। इसके बावजूद हमारा ज्ञान अति अल्प है। मनुष्य अभी तक जन्म और मृत्यु का ही रहस्य नहीं समझ पाया है। यदि निश्चित और अंतिम कुछ नहीं है तो मनुष्य स्वयं को ज्ञानी कैसे कह सकता है? हमारी समस्या है कि हमने निकटता वहां पैदा कर ली है, जहां दूरी होनी चाहिए। इससे हम वहां से दूर हो गए हैं, जहां हमें पहुंचना था। हम अपनी समझ के बनाए गए बुलबुले में कैद हो कर रह गए हैं। इससे बाहर आना ही ऊपर उठना है। तभी हम अपना उत्थान कर सकते हैं।

संपादकीय

असम और मेघालय की सीमा पर हिंसा

पूर्वोत्तर भारत में यह दूसरी बार है, जब दो राज्यों की पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी की और उसमें छह लोगों की जान चली गई। दोनों में असम पुलिस शामिल थी। ताजा घटना असम और मेघालय की सीमा पर कार्बी आंगलोंग जिले में हुई। लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को सुरक्षाकर्मियों ने रोका, जिसे लेकर हिंसा भड़क गई थी। हालांकि दोनों राज्यों ने इस मामले को संभाल लिया है, मगर मेघालय के लोगों में रोष अभी बना हुआ है। असम के मुख्यमंत्री ने माना है कि असम पुलिस को इस मामले में अविवेकपूर्ण तरीके से कार्रवाई नहीं करनी चाहिए थी। मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजे की घोषणा कर दी गई है। ऐसी ही घटना पिछले साल जुलाई में मिजोरम और असम की सीमा पर हुई थी, जब दोनों राज्यों की पुलिस ने एक-दूसरे पर गोली चलाई और कई लोग मारे गए थे। बाद में असम सरकार ने अपने नागरिकों के लिए सलाह जारी की थी कि वे पड़ोसी राज्यों में न जाएं। एक गणराज्य में यह अपने तरह की पहली घटना थी, जब एक राज्य की पुलिस ने दूसरे राज्य की पुलिस पर ही गोलीबारी की और किसी राज्य ने अपने नागरिकों को दूसरे राज्य में न जाने की सलाह जारी की। असम के साथ मणिपुर, मिजोरम और मेघालय का सीमा विवाद पुराना है। केंद्र सरकार इन विवादों को सुलझाने का प्रयास कर रही है और उसका दावा है कि काफी हद तक विवाद सुलझा भी लिए गए हैं। इस संबंध में करीब सात महीने पहले असम और मेघालय के बीच भी समझौता हुआ था, जिसमें कुल बारह में से छह विवादों को सुलझा लिए जाने का दावा किया गया। उसके बावजूद अगर यह घटना घटी, तो इसे क्या कह सकते हैं। इसी तरह मिजोरम को लेकर हुआ था, दोनों राज्यों के बीच तीन दिन पहले ही केंद्रीय गृहमंत्री ने सीमा विवाद को लेकर समझौता कराया था, मगर दोनों राज्यों की पुलिस आपस में भिड़ गई। असम, मिजोरम और मेघालय में एक ही पार्टी की या गठबंधन सरकारें है। इसलिए उनके बीच किसी तरह का राजनीतिक द्वेष भी नहीं कहा जा सकता। पूर्वोत्तर में चूंकि असम सबसे बड़ा राज्य है, इसलिए उससे सीमा विवाद को लेकर अधिक उदारवादी दृष्टिकोण अपनाने की अपेक्षा की जाती है। मगर हैरानी की बात है कि वहीं की पुलिस अपनी कार्रवाइयों में संयम नहीं बरत पा रही। यह ठीक है कि असम की सीमा से लगे पूर्वोत्तर के राज्यों के साथ उसका सीमा विवाद पचास साल से अधिक पुराना है और जातीय अस्मिता को लेकर उनमें अक्सर तनाव उभर आता है, मगर इसका यह अर्थ नहीं कि उसे बंदूक के बल पर शांत करने का प्रयास किया जाए। वहां सारा विवाद इसलिए है कि पूर्वोत्तर राज्यों के बीच अभी तक सीमा का सही ढंग से निर्धारण नहीं हो पाया है। पहाड़ी और जंगली राज्य होने की वजह से वहां इसीलिए अपनी जमीन की हकदारी को लेकर भ्रम पैदा हो जाता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हिंसा की जमीन...

यह सवाल लंबे समय से दोहराया जाता रहा है कि आखिर क्या वजह है कि दिल्ली में अपराध और हिंसा पर लगाम नहीं लग पा रही। अन्य राज्यों की तुलना में यहां की पुलिस अधिक सक्षम और तत्पर मानी जाती है। अपराधियों की धर-पकड़ में भी उसकी दक्षता अधिक है। अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। मगर इसके बावजूद अपराधियों में उसका खौफ पैदा नहीं हो पा रहा, तो उसके कामकाज पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यहां थोड़े-थोड़े अंतराल पर कोई न कोई बड़ी वारदात हो जाती है। यहां के पालम इलाके में एक युवक ने अपने ही चार परिजनों की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि उसे नशे की लत थी और वह नशा करने के लिए पैसे मांग रहा था। पैसा न मिलने की वजह से बहस हुई और उसने अपने पिता, मां, बहन और दादी की चाकू मार कर हत्या कर दी। हालांकि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है, मगर इस घटना से एक बार यह सवाल फिर गाढ़ा हुआ है कि आखिर युवाओं में हिंसा का मानस बन कैसे रहा है। ऐसी घटनाएं अब इतनी सहज कैसे हो गई हैं। इसके पीछे महानगरीय विसंगतियों और सामाजिक ताने-बाने के लगातार कमजोर होते जाने को बड़ा कारण बताया जाता है, मगर इस आधार पर कानून-व्यवस्था संभालने वालों को अपने बचाव का रास्ता नहीं मिल जाता। यह छिपी बात नहीं है कि दिल्ली में बहुत सारी आपराधिक और हिंसक घटनाओं के पीछे नशाखोरी की लत बड़ा कारण है। यहां नशीले पदार्थों की बिक्री में लगातार इजाफा हो रहा है। पुलिस और स्वापक विभाग युवाओं के कुछ जलसों पर छापे मार कर कभी-कभार गिरफ्तारियां आदि करते हैं, मगर इससे नशे के कारोबार पर अंकुश नहीं लग पाता। इसके चलते बहुत सारे युवा नशे की गिरफ्त में हैं और उनके परिवार की परेशानियां बढ़ गई हैं। कई असमय अपनी जान गंवा बैठते हैं। ऐसे युवाओं में हिंसक प्रवृत्ति स्वाभाविक रूप से पैदा हो जाती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जब उन्हें नशे की तलब लगती है, तो वे खुद नहीं समझ पाते कि क्या कर रहे हैं। वे अपना विवेक खो देते हैं। यह भी उजागर तथ्य है कि नशे के कारोबारी सबसे अधिक किशोर और युवाओं को अपना शिकार बनाते हैं और फिर वे उनके लिए नशे की खपत में सहयोगी बन जाते हैं। ऐसा नहीं माना जा सकता कि अगर दिल्ली पुलिस तलाशने का प्रयास करे, तो वह इस कारोबार की मुख्य कड़ी को नहीं पकड़ सकती। यों तो दिल्ली के लगभग हर इलाके में कैमरे लगा दिए गए हैं, फिर भी चलती गाड़ी में बलात्कार, छेड़खानी, छीना-झपटी की घटनाएं अक्सर सामने आ जाती हैं। कुछ हद तक इसके पीछे संचार माध्यमों पर हिंसा को उकसाने वाली सामग्री की उपलब्धता कारण है, जिससे युवाओं में हिंसा के प्रति सहज स्वीकार भाव पैदा हुआ है, मगर निगरानी तंत्र की कमजोरी उनमें ऐसा करने का साहस पैदा करता है। आमतौर पर परिवार के लोगों की हत्या कर देने जैसी घटनाओं के पीछे सामाजिक और नैतिक मूल्यों में आई गिरावट को बड़ा कारण मान कर देर तक चर्चा होती रहती है या फिर उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश की जाती है। मगर अब आपराधिक घटनाओं को मूल्यों की आड़ लेकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पुलिस को युवाओं में पुख्ता होते हिंसा के मानस को नए ढंग से समझने और उसके स्रोतों पर प्रहार करने की जरूरत है।

श्रीआदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सिद्धायतन, श्रीसम्मेद शिखरजी (मधुबन) के भामाशाह सुभाषचंद बड़जात्या शिरोमणि संरक्षक बने

कोलकाता. शाबाश इंडिया। मयंक ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड (कोलकाता, दिल्ली, जयपुर) के चेयरमैन एवं दिगंबर जैन समाज, लाडनूं के अध्यक्ष भामाशाह सुभाषचंद बड़जात्या श्री आदिनाथ जैन मंदिर सिद्धायतन, सम्मेद शिखरजी के शिरोमणि संरक्षक बने। बताया जाता है कि उक्त मंदिर का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 5-10 फरवरी, 23 को सिद्धार्थन परिसर, सम्मेद शिखरजी में मनाया जाएगा। बड़जात्या अनेकों सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षिक संस्थानों को अपना नेतृत्व एवं सहयोग प्रदान कर रहे हैं। आपको सामाजिक शैक्षिक कार्यों में सहयोग देने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा भामाशाह सम्मान-2018 एवं अनेकों राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा सम्मान प्राप्त है। आपके शिरोमणि संरक्षक बनने पर अनेक सामाजिक संस्थाओं एवं गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं एवं बधाई संदेश प्रेषित किए।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक की धार्मिक यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक के दंपति सदस्य आज शनिवार को बस द्वारा धार्मिक यात्रा पर रवाना हुए। प्रातः 8 बजे बस द्वारा रवाना होकर प्राचीन ऐतिहासिक बावड़ी आभानेरी पहुंचे। उसके बाद तीर्थ क्षेत्र बसवा के दर्शन किये। भोजनोपरांत तीर्थ क्षेत्र झांझीरामपुर के दर्शन किये। वहां से रवाना होकर गुढ़ाचन्द्रजी जैन मंदिर एवं वहाँ विराजित गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण जी माताजी के दर्शन किये। इसके पश्चात श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र हेतु प्रस्थान किया। वहां वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं पंच कल्याणक की क्रियाओं मे भाग लेकर पूण्य लाभ प्राप्त किया। आरती के पश्चात जयपुर के लिए रवाना हुए। धार्मिक यात्रा में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के संरक्षक महावीर- शकुन्तला बिंदायका, अध्यक्ष महावीर बोहरा, सचिव इन्द्र कुमार जैन, सुनील ठोलिया, मुकेश शाह, भागचन्द जैन सहित अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

विरागोदय से गणाचार्य विराग सागर जी का हुआ विहार

पथरिया की चौबीसी जिनालय में हुआ प्रवास

पथरिया. शाबाश इंडिया

विरागोदय तीर्थ में मंगल चातुर्मास कर रहे परम पूज्य गणाचार्य 108 श्री विराग सागर जी महाराज ससंघ का आज मंगल विहार हो गया है जो पथरिया नगर के चौबीसी जिनालय में विराजमान हो गए हैं। जहां पर प्रतिदिन स्वाध्याय, प्रवचन सहित विविध कार्यक्रमों को आयोजित किया जाएगा। विरागोदय की मीडिया विभाग ने बताया कि गणाचार्यश्री ससंघ के विरागोदय तीर्थ के चतुर्मास के दौरान पथरिया नगर की समाज ने कई बार आचार्यश्री के चरणों में श्रीफल भेंट कर श्री आदिनाथ दिगंबर जैन चौबीसी जिनालय में प्रवास एवं सानिध्य प्रदान करने की प्रार्थना की थी। पूज्य गणाचार्य ससंघ की भव्य आगवानी पथरिया की समाज, श्रद्धालु व गणमान्य नागरिकों ने की, जिसमें श्रद्धालु सिर पर मंगल कलश एवं धर्म ध्वज लेकर गाजे-बाजे के साथ जयकारे व धार्मिक भजन गाते हुए चल रहे थे, वहीं आगवानी के लिए नगर में घर घर रंगोली एवं स्वागत द्वार सजायें गये थे। आगवानी उपरांत संघ की आहार चर्या पथरिया नगर में हुई जिसमें आचार्यश्री की आहार चर्या का सौभाग्य सुभाष चंद्र, शोभित, शशांक सेमरा वालों को प्राप्त हुआ।

संकलनः पत्रकार राजेश रागी/ रत्नेश जैन बकस्वाहा

बानपुर में 28 नवम्बर से होगा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव का आगाज

बंधन का नाम धर्म नहीं है धर्म तो स्वतंत्रता है : मुनि श्री सुप्रभ सागर महाराज

ललितपुर. शाबाश इंडिया। जनपद के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बानपुर में 28 नवम्बर 2022 से श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव का आगाज आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज (ललितपुर नगर गौरव), मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य में होने जा रहा है। महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्य कार्यक्रम के लिए बस स्टैण्ड स्थित महाराजा मर्दन सिंह क्रिकेट ग्राउंड पर पांडाल बनाया गया है। बानपुर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि बंधन का नाम धर्म नहीं है धर्म तो स्वतंत्रता है।कषायों के विसर्जन के अनुभव में धर्म की प्राप्ति संभव नहीं है। जिसने अंधकार को नहीं जाना बह उजाले को नहीं समझ सकता। जिसने मिथ्यात्व को नहीं समझा वह सम्यक को प्राप्त नहीं कर सकता।जो रियल को नहीं जानता वह नारियल की बुराई करते हैं। सुख साधन, मोक्ष का साधन धर्म है। कमी नारियल में नहीं थी कमी उसके प्रयोग करने वाले की थी, जो कषायों का विसर्जन करके नारियल की तरह प्रभु गुरु चरणों में चढ़ जाता है वहीं रियल धर्म को प्राप्त होता है। अंधे को उजाले को समझाने की जरूरत नहीं है अपितु आखों की शल्प चिकित्सा जरूरी है। कुछ पाने के लिए खोने की आवश्यकता है,जब तक कषायों का विसर्जन नहीं है तब तक धर्म का फल प्राप्त होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि यह जीवन जबतक है, तबतक ही है; इसका एक पल भी कोई बढ़ा नहीं सकता; जब मौत आ जायगी तो कोई भी नहीं बचा पाएगा। सत्य बात तो यही है कि जीवन-मरण अशरण है, संसार में कोई भी शरण नहीं है। चाहे कैसी भी मणि हो,मंत्र हो,तंत्र हो,बड़े से बड़ी शक्ति हो, माता, पिता, देवी, देवता, सेना, औषधि, पुत्र या कैसा भी चेतन या अचेतन पदार्थ हो ,मृत्यु से कोई नहीं बचा सकता है। धर्मसभा में आशीष रावत जि.पं.सदस्य, साहेबन्द्र सिंह, काशीराम रजक ग्राम प्रधान आदि का सम्मान आयोजन समिति के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

चित्राकन: सतीश जैन अकेला, जयपुर

पंच कल्याणक में पूर्वाध क्रियाए करते हुए
भगवान के माता-पिता एवं सौ धर्म इन्द्राणी

श्री पार्श्व नाथ दि जैन मन्दिर,
अचरोल दिल्ली हाई वे ' जयपुर

श्री दि. जैन देशभूषण आश्रम में श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ आज 27 नवम्बर से

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित अचरोल ग्राम मे श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य चर्या शिरोमणि108 श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ की पावन निश्रा में 2 दिसम्बर तक चलने वाले 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ रविवार 27 नवम्बर को सुबह 6.30 बजे से गर्भकल्याणक पूर्वार्ध की क्रियाओं से होगा। आयोजन से जुड़े नेम प्रकाश खंडाका,देव प्रकाश खंडाका व संत कुमार खंडाका ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिन रविवार को गर्भ कल्याणक पूर्वार्ध क्रियाओं से जिसके तहत सुबह 6.30 बजे श्री जी का अभिषेक व घटयात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद ध्वजारोहण,श्रीमती सरिता-रमेश नारनौली राजवेश करेंगे। तत्पश्चात पांडाल का उद्घाटन,चित्र अनावरण होगा। इस मौके पर दीप प्रज्जवलन समाज श्रेष्ठी मदनलाल ,एनके गुप्ता,,सीमा-राजेन्द्र गुप्ता मंगलम बिल्डर्स वाले करेंगे। इस अवसर पर मंडल उद्घाटन रामेश्वर लाल गोयल रूपलक्ष्मी वाले,श्रीमती मीना जैन-रामावतार गोयल होंगे। दीप प्रज्जवलन, मंगलाचरण, कलश स्थापना, जिनेन्द्र अभिषेक व शांतिधारा के बाद आचार्य श्री के विशेष प्रवचन होंगे। मध्याह्न में सकलीकरण, इन्द्र, मंडप प्रतिष्ठा के बाद जाप्य शुरू होगा। कार्यक्रम के प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया कि महोत्सव के तहत मध्याह्न 1.30 बजे याग मंडल विधान व कुमारिकाओं द्वारा तीर्थों से शुद्ध जल लाना,आचार्यश्री का आगमन व प्रवचन होंगे। शाम को भेरी ताडन के बाद सन्ध्या मे 7 बजे से गर्भकल्याणक के पूर्व दृश्य व रात्रि 10.30 बजे गर्भकल्याणक की अभ्यंतर क्रियाएं होगी।

महोत्सव में भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य समाजश्रेष्ठी श्रीमती सुमन-संत कुमार खंडाका, सौधर्म इन्द्र श्रीमती प्रियांगी-कमल खंडाका, धनपति कुबेर श्रीमती ममता सौगानी-शांति कुमार सौगानी जापान वाले, महायज्ञनायक श्रीमती राजुल-राजकुमार खंडाका व ईषान इन्द्र श्रीमती निलेश-नेक कुमार खण्डाका को प्राप्त हुआ। धर्मसभा में पूज्य पाद गुरुदेव ने उपदिष्ट होते हुए कहा जरा जरा सी चीजों से विमुख होते ही इंसान व्यथित हो जाता है पत्नी को लेने गए ससुराल वालों के मना करने पर लोग आत्महत्या करने पर उतारू हो जाते हैं सबको अपने अस्तित्व की खबर रखनी चाहिए। क्लेश होने का मुख्य कारण हीन भावना होती है बीमार होना भी हीन भावना ही है। मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन 28 नवम्बर को गर्भ कल्याणक उत्तरार्ध की क्रियाएं सम्पन्न होगी। सभी क्रियाएं सुबह 6.30 बजे जिनेन्द्र अभिषेक, शांतिधारा व हवन से शुरू होगी।इस मौके पर सुबह 8 बजे गर्भकल्याणक विधान,आचार्यश्री के प्रवचन,वेदी शुद्धि व वेदी प्रतिष्ठा के बाद दोपहर में शांतिनाथ महामंडल विधान पूजन,सन्ध्या समय 6 बजे आरती के बाद 7 बजे गर्भकल्याणक के उत्तर दृश्य, इन्द्रसभा, शंका समाधान, व माता के 16 स्वप्नों आदि के आयोजन होंगे। प्रतिष्ठाचार्य पंडित महावीर गींगला उदयपुर व जयपुर के डॉ.सनत कुमार जैन एवं ब्रह्मचारी विनय भैया सम्पन्न करवाएंगे।

नेट थिएट पर एकल तबला वादन, तबले पर चला उंगलियों का जादू

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की संखला में आज उभरते युवा कलाकार तबला नवाज वेदांत शर्मा ने तबले पर अपनी उंगलियों का ऐसा जादू चलाया दर्शक वाह-वाह कर उठे। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की 9 वर्षीय कलाकार वेदांत ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत उठान, पैराकार, बनारस जाने की बाट, धीक धीनना, दिल्ली घराने की कामद, धा तिट धाधा तिट के बाद रेला, गत तिल्ली, फरमाइशी चक्रधार गत, बजाकर लोगों की वाही वाही लूटी । वेदांत ने तीन साल की उम्र में तबले की प्रारंभिक शिक्षा अपने पिता और गुरु राम शर्मा से ली ।इसके बाद बनारस के तबला वादक ऋषभ पटेल से तबले की तालीम ली । हाल ही में उस्ताद अल्ला रखा के शिष्य सलामत हुसैन से पंजाब एवं अजराड़ा घराने की तालीम ले रहे हैं । वेदांत को छोटी सी उम्र में ही कई प्रसिद्ध मंचों का तबला वादन करने का सौभाग्य मिला। वेदांत के साथ नगमे पर हारमोनियम पर रमेश मेवाल एवं सारंगी पर पद्मश्री मोइनुद्दीन खान के भतीजे साबिर खान ने संगत की। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र शर्मा ने किया तथा प्रकाश व्यवस्था मनोज स्वामी, कैमरा अनिल मारवाड़ी, मंच सज्जा जितेंद्र शर्मा एवं जीवितेश शर्मा की रही ।

संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का कार्यक्रम न्यू सांगानेर रोड पर संपन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष किरण झांझरी एवं सचिव विजया काला ने बताया कि कार्यक्रम में आकर्षक गेम्स का आयोजन नूपुर जैन द्वारा किया गया। सभी सदस्यों ने नए एवं पुराने गाने पर मनमोहक प्रस्तुति दी। आकर्षक हॉउजी के पारितोषिक सुनीता छाबड़ा ने वितरित किए।

बडगांव के किसानों के लिए प्राकृतिक खेती पर जागरूकता कार्यक्रम

बडगांव. शाबाश इंडिया

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र, उदयपुर द्वारा केवीके परिसर में ''केवीके के माध्यम से प्राकृतिक खेती का विस्तार'' विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संजय धाकड़ ने प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से चर्चा की एवं इसके विभिन्न पहलुओं जीवामृत, घनजीवामृत इत्यादि को बनाने एवं उचित उपयोग पर वीडियो फिल्म भी दिखाई। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. पी.सी.भटनागर ने कहा की केवीके किसानों के उत्पादन में वृद्धि एवं जीविकोपार्जन के अन्य स्त्रोतो को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है, और इसी कड़ी में यह प्राकृतिक खेती की प्रस्तावना किसानों के मध्य रखी जा रही हैं। जिससे किसान कम लागत में रसायन रहित खेती की तरफ प्रेरित होंगे। कार्यक्रम में कृषि विभाग के कमलेश

शर्मा ने किसानों को विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया जिससे किसान को खेती एवं अन्य सम्बंधित क्षेत्रों में सरकार का सहयोग प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग की गतिविधियों के बारे में डॉ. दत्तात्रेय चौधरी ने विस्तार से बताया। कार्यक्रम में डॉ. भगवत सिंह ने बताया की केवीके प्राकृतिक खेती पर कई अन्य पंचायत समितियों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में किसानों का धन्यवाद कृषि विभाग में सुरेश वैष्णव ने किया।

मूकाभिनय कलाकार विलास जानवे को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2019, 20 और 2021 के अकादमी पुरस्कारों की घोषणा कर दी गयी है। इस आशय की जानकारी देते सचिव अनीश पी राजन ने बताया कि देश भर से कुल 128 प्रदर्शन कलाकारों को अकादमी पुरस्कार के लिए चुना गया है। मूकाभिनय के क्षेत्र में उदयपुर राजस्थान के वरिष्ठ रंगकर्मी विलास जानवे को वर्ष 2021 के लिए चुना गया है। गौरतलब है कि 68 वर्षीय विलास जानवे पांच दशकों से मूकाभिनय विधा से जुड़े हैं। इन्होंने मूकाभिनय विधा में देश का पांचवां प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर राजस्थान और शेष भारतीय राज्यों का गौरव का बढ़ाया है। बता दें, इससे पूर्व इस विधा के लिए प.बंगाल के गुरु योगेश दत्ता, पद्मश्री निरंजन गोस्वामी, असम के मोइनुल हक और त्रिपुरा के सपन नंदी को पुरस्कृत किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि जानवे को संस्कृति मंत्रालय से मूकाभिनय के क्षेत्र में साल 2001 में सीनियर फैलोशिप भी मिल चुकी है। वर्ष 1998 से शुरू हुए राष्ट्रीय मूकाभिनय उत्सवों में दिल्ली सहित कोलकाता, शांति निकेतन, दीमापुर, गुवाहाटी, इम्फाल, जलपाईगुड़ी, प्रयागराज, तिरुनंतपुरम, मुम्बई, जोधपुर, जयपुर,उदयपुर और मुम्बई में पत्नी किरण जानवे के साथ विलास अपनी कला प्रदर्शन के दम पर नाम कर चुके हैं। इसके साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान की कला अकादमियों और शैक्षणिक संस्थाओं के लिए मूकाभिनय कार्यशालाएं निर्देशित कर चुके हैं। अपने गुरु पद्मश्री निरंजन गोस्वामी को मूकाभिनय की कार्यशालाओं में सहायता करने वाले जानवे ऐतिहासिक और सामाजिक विषयों पर बीसियों मूकाभिनयों की संरचना के अलावा दूरदर्शन और देश के कई मंचों पर प्रदर्शन दे चुके हैं। उदयपुर के पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में 28 वर्ष कार्यक्रम अधिकारी रहे जानवे ने राजस्थान के कलाकारों के अलावा दिव्यांग/मूक बधिर बच्चों के लिए तथा सेन्ट्रल जेल, उदयपुर में भी मूकाभिनय प्रशिक्षण दिया है। इतना ही नहीं, जानवे ने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की नोबेल पुरस्कार रचना गीतांजली की कविताओं पर मूकाभिनय बनाकर नवाचार और आजादी के अमृत महोत्सव के लिए ''गूंजे राग देश प्रेम का'' का सृजन कर अलग मुकाम हासिल किया। सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में परामर्शक की सेवाएं देने वाले और मार्तंड फाउंडेशन से जुड़े जानवे उम्र पर्यंत मूकाभिनय और नुक्कड़ नाटकों के जरिये बच्चों में संस्कार डालने में प्रयासरत रहे हैं। उनके इस महती योगदान पर मिले पुरस्कार की खबर सुनकर राजस्थान के नाट्य जगत से जुड़े निर्देशक और कलाकार सहित रंगमंच से जुड़े तमाम लोगों से उन्हें बधाई सन्देश मिले हैं। इधर, जानवे ने इस पुरस्कार का श्रेय अपने पिता स्व.वसंत जानवे, गुरु भानु भारती, डॉ. शैल चोयल, मंगल सक्सेना, पद्मश्री निरंजन गोस्वामी और देश के रंगकर्मियों और संगीत नाटक अकादमी को दिया।

रिपोर्ट/फोटो:
राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

संविधान दिवस पर कराई शपथ ग्रहण

नसीराबाद. शाबाश इंडिया। जिला विधिक साक्षरता समिति के सचिव रामपाल जाट के निदेशानुसार शनिवार को संविधान दिवस के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में छात्रों को विधिक जानकारियां दी गई एवं संविधान की शपथ दिलाई गई। शिविर में पीएलवी अनिल कुमार सहित संस्थान के प्रधानाचार्य सहित स्टाफ उपस्थित था।

गुड़ खाने से क्या फायदे होते हैं?

शाबाश इंडिया

गुड़ का आयुर्वेद ग्रंथों में काफी महत्व बताया गया है। गुड़ केवल एक खाद्य पदार्थ या चीनी का विकल्प भर ही नहीं है बल्कि इसमें सेहत का खजाना छिपा है। यह एंटी टॉक्सिन का भी काम करता है। रात में गुड़ का सेवन करने से शरीर में मौजूद हानिकारक टॉक्सिन बाहर निकल जाता है यानि यह खून को साफ करने का काम भी करता है। वैसे तो गुड़ के सेवन के कई फायदे हैं लेकिन हम आपको यहां चुनिंदा फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

1.सूक्रोज का सबसे अच्छा संग्राहक गुड़ होता है। भारतीय संस्कृति में भोजन करने के बाद मीठा खाने का प्रचलन सदियों पुराना है। इस गतिविधि को आगे बढ़ाने के लिए गुड़ सबसे अच्छा माध्यम होता है। गुड़ में बहुत ही पोष्टिक तत्व होते है। इसमें फाइबर बिल्कुल भी नहीं होता। यह पाचन प्रक्रिया को मजबूत करने में मदद करता है साथ ही यह कब्ज को रोकने में असरदार होता है।

2. इसमें उपस्थित पोषक तत्वों में लौह तत्व और फोलेट अच्छी मात्रा में होते है, ये तत्व शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की सामान्य मात्रा बनाए रखने में मदद करते है। इस प्रकार यह एनीमिया को रोकने में मदद करते है। जिन लोगों को लौह तत्व की कमी होती है उन लोगों के लिए गुड़ का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है।

3. देशी गुड़ में प्रतिरोधक तत्वों की अधिकता होती है इस कारण इसे कई प्रकार के सीरप और दवाओं में उपयोग किया जाता है। इसमें उपस्थित एंटीऑक्सिडेंट आपकी प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाने में मददगार होते है। सर्दी-खांसी और बुखार में इसका सेवन विशेष रूप से किया जाना चाहिए। इसमें विटामिन सी होता है जो कि आपके शरीर को ठंड़ से बचा कर गर्मी देने का काम करता है। इसका सेवन करने से बीमार व्यक्ति को अधिक ऊर्जा प्राप्त होती है।

4.गुड़ अच्छी त्वचा के लिए भी जरूरी है। त्वचा की देखभाल करने के लिए आप अपने आहार में इसको शामिल कर सकते हैं। यह ब्लड प्यूरिफाई करने में मदद करता है। यह त्वचा को साफ रखने में अहम भूमिका निभाता है। गुड़ शरीर से हानिकारक टॉक्सिन बाहर निकालने में मददगार है। इससे आपकी त्वचा साफ और स्वस्थ बनी रहती है। रोजाना गुड़ खाने से मुंहासों से छुटकारा मिल जाता है और चेहरा ग्लो करने लगता है।

5.नियमित गुड़ का सेवन करने वजन कम करने में मदद मिलती है। गुड़ में पोटेशियम अच्छी मात्रा में होते है यह एक खनिज पदार्थ है। पोटैशियम इलेक्ट्रोलाइट्स के स्तर को अनियंत्रित होने के खतरे कम करता है। यह पानी के अवशोषण को कम करता जो कि आपके वजन बढ़ने का प्रमुख कारण हो सकता है। पोटैशियम मांसपेशियां कोशिकाओं के निर्माण और चयापचय में वृद्धि करता है। इन्हीं वजहों से यह आपके वजन को कम करने में उपयोगी होता है।

6.शुगर और गुड़ दोनों ही मीठे होते है जो हमें शक्ति देते है, लेकिन शक्कर की अपेक्षा गुड़ हमें ज्यादा शक्ति प्रदान करता है क्योंकि इसमें शक्कर की तुलना में काबोहाइड्रेट ज्यादा होता है जो कि हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। यह खून में आसानी से अवशोषित हो जाता है जिससे हमें तत्काल ही ऊर्जा प्राप्त होने लगती है गुड़ को खाने से हमें ऊर्जा बहुत देर तक मिलती रहती है। यह शरीर की थकावट और कमजोरी को दूर करता है। मधुमेह रोगी को कम मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।

7. दूध और गुड़ का सेवन करने से जोड़ों के दर्द में या गठिया से होने वाली तकलीफों को दूर किया जा सकता है। यदि आपको जोड़ों का दर्द होता है तो इसका सेवन कर आप इसे दूर कर सकते हैं. इस को आप अदरक के साथ मिला कर उपयोग कर सकते है। आप अपनी शारीरिक संरचना और वोन्स को शक्तिशाली बनाने के लिए प्रतिदिन एक गिलास दूध के साथ इसका सेवन कर सकते है।

नोटः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

सुनील बास्खो को प्राप्त हुई मुनिश्री विशाल सागर जी की पिछि

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री विशद सागर जी के शिष्य परम तपस्वी मुनिराज मुनि श्री विशाल सागर जी महाराज की पिछि जयपुर निवासी सुनील-अनिल बास्खो को प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में शांतिनाथ मंडल विधान का हुआ आयोजन

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया। उपखंड मुख्यालय स्थित श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में शांतिनाथ मंडल विधान का आयोजन किया गया। जैन समाज नागौरी गोट अध्यक्ष नवीन गोधा से मिली जानकारी के अनुसार शांतिनाथ मंडल विधान का आयोजन पुण्यार्जक अशोक कुमार नवीन कुमार छाबड़ा परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में प्रातः श्री जी का महा मस्तकाभिषेक, शांति धारा, प्रक्षालन के साथ साथ नित्य नियम पूजा अर्चना की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com